सूर्यसिद्धान्त सॉफ्टवेयर

ज्योतिष सिद्धान्त के प्राचीनतम ग्रन्थ सूर्य-सिद्धान्त के क्लिष्ट गणितीय पक्ष को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए भगवान विश्वनाथ जी की प्रेरणा से सन 2019 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुभाष पाण्डेय जी के निर्देशन में ग्रन्थ के गणित को आधुनिक माध्यम से विश्वपटल पर रखने के लिए गणितकर्ता आचार्य अमित कुमार मिश्र जी के तत्त्वावधान में यह कठिन कार्य प्रारम्भ किया गया |

केन्द्रीय विद्यालय रानीखेत के कंप्यूटर प्रवक्ता गौरव मिश्र जी के 2 वर्ष के अथक प्रयास द्वारा उपरोक्त कार्य सन् 2021 में मकर संक्रान्ति के अवसर पर सूर्यसिद्धान्त नामक विंडोज एप्लीकेशन के रूप में क्रियान्वित हुआ |

बीएचयू में बना ग्रहों व आकाशीय पिंडों की स्थिति का करेगा सटीक गणितीय आकलन

सूर्य सिद्धांत को आसानी से समझाएगा साफ्टवेयर

- इससे मुफ्त में आसानी से जान सकेंगे पंचांग की गणितीय प्रक्रिया
- छात्रों में जरूरी कौशल एवं क्षमताओं को विकसित करना ही इस साफ्टवेयर का है उद्देश्य

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू स्थित संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में ज्योतिष विभाग में ऐसा साफ्टवेयर बनाया गया है, जिससे ज्योतिष शास्त्र के सर्वमान्य व प्रामाणिक आर्ष ग्रंथ सूर्य सिद्धांत के सूत्रों को जानना सुगम होगा। गणितीय उदाहरण से निर्मित सिद्धांत सूत्र कंप्यूटर की प्रोग्रामिंग में पिरोये गए हैं।

संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में बुधवार को कार्यक्रम के दौरान ज्योतिष शोध छात्र अमित कुमार मिश्र के बनाए साफ्टवेयर का लोकार्पण किया गया।

भिन्नता होगी दूर, मिलेगा सही पंचांग : शोध छात्र अमित कुमार मिश्र ने पंचांग गणित हल करने के लिए वर्चुअल माध्यम का प्रयोग किया है। जिससे छात्र प्रोग्रामिंग की मदद से पंचांग गणित हल करेंगे। इससे घंटों का कार्य कुछ क्षण में बिल्कुल मुफ्त में किया जा सकेगा। इससे भिन्नता भी दूर होगी, सही पंचांग प्राप्त हो सकेगा। अमित ने बताया कि इसमें त्रुटि की आशंका नहीं है।

छात्र आदिकाल से वर्तमान काल तक की गणितीय प्रकिया अच्छे से जान सकेंगे।

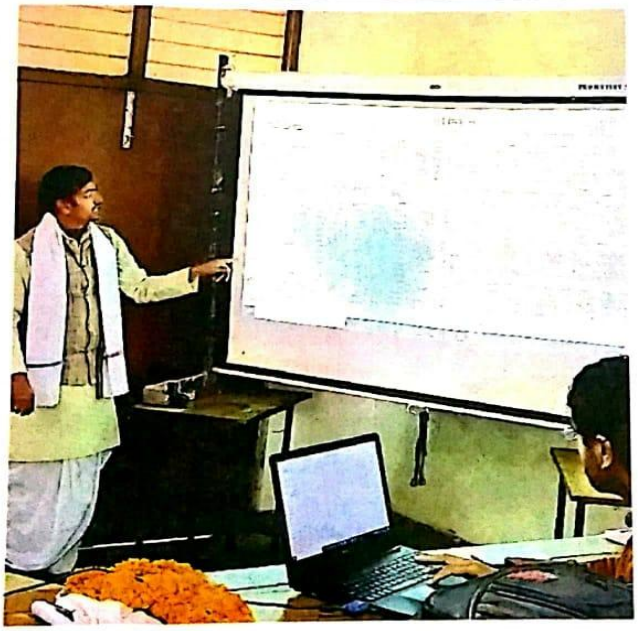

बीएचयू के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में पंचांग गणित को साफ्टवेयर के माध्यम से स्क्रीन पर समझाते संकाय के शोधार्थी अमित • जागरण

उत्तराखंड के शिक्षक का भी योगदान : दो वर्षों से अमित ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पांडेय और आचार्य डा. सुभाष पांडेय के निर्देशन में शोध कर रहे हैं। इस साफ्टवेयर को बनाने में अमित के अलावा केंद्रीय विद्यालय, रानीखेत-नैनीताल (उत्तराखंड) के कंप्यूटर शिक्षक गौरव शर्मा ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विद्यार्थियों के लिए होगा काफी लाभप्रद

प्रो. विनय कुमार पांडेय ने बताया कि कोरोना काल में कागजी कार्यवाही बंद है, इसलिए यह साफ्टवेयर ज्योतिष के छात्रों व शोधार्थियों के लिए काफी लाभप्रद होगा। प्रो. चंद्रमा पांडेय ने कहा कि 21वीं सदी में शिक्षार्थियों के अनुशासन, पेशे या करियर में डिजिटल साक्षरता अनिवार्य है। छात्रों में इसके लिए जरूरी कौशल एवं क्षमताओं को विकसित करना ही इस साफ्टवेयर का उद्देश्य है। मुख्य अतिथि प्रो. रामचंद्र पांडेय ने कहा कि सूर्य सिद्धांत की गणितीय पद्धति के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान अब ज्योतिष प्रेमियों को आसानी से हो सकेगा।

यह और अन्य स्थानीय खबरें www.jagran.com पर पढ़ें

Scanned with CamScanner

प्रथम संस्करण के भव्य लोकार्पण के उपरान्त गुरुजनों, विद्यार्थियों तथा अन्य सुधीजनों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर तथा सिद्धान्त गणित को सर्वजनोपयोगी एवं सर्वसमय उपलब्ध बनाने के लिए उपरोक्त सॉफ्टवेयर को एक वेबसाइट के रूप में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया |

इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप सूर्यसिद्धान्त का ऑनलाइन स्वरूप एक वेबसाइट के रूप में आप सभी सुधीजनों के समक्ष प्रस्तुत है | भविष्य में इसमें ग्रन्थ के सभी अध्यायों को क्रमशः सम्मिलित किया जाएगा |

कृपया सॉफ्टवेयर में सुधार हेतु अपने अनमोल सुझावों से हमें अवश्य अवगत कराएं |

संरक्षक मण्डल		
निर्देशक	**गणितकर्ता**	**क्रियान्वयक**
डॉ. सुभाष पाण्डेय एसोसिएट प्रोफेसर ज्योतिष विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	आचार्य अमित कुमार मिश्र काशी हिन्दू विश्वविद्यालय सम्पर्क :- 8574947949	श्री गौरव मिश्र प्रवक्ता, संगणक विज्ञान केन्द्रीय विद्यालय, रानीखेत सम्पर्क :- 9558415805